<u>बेस्ट प्रेक्टिसेज़</u>

1. <u>हिन्दी दिवस समारोह</u>

अपनी भाषा के माध्यम से सभ्यता एवं संस्कृति से जुड़े रहने के उद्देश्य से प्रत्येक वर्ष महाविद्यालय में धूमधाम से हिन्दी दिवस मनाया जाता है ।

छात्राएं उत्साह के साथ कार्यक्रम में हिस्सा लेती हैं और हिंदी भाषा में लिखी कविताओं का पाठ करती हैं । हिन्दी भाषा के प्रयोग के प्रति जागरूक छात्राएं वाद विवाद प्रतियोगिता में सम्मिलित होती हैं इससे हिन्दी भाषा के प्रति उनके मन में सम्मान और अनुराग का भाव सशक्त होता है ।

2. <u>बसंत पंचमी समारोह</u>

बेस्ट प्रेक्टिसेज़ के अंतर्गत प्रत्येक वर्ष हमारे महाविद्यालय में बसंतोत्सव का कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। जिसमें सभी धर्म की छात्राएं उत्साह पूर्वक सम्मिलित होती हैं। माँ सरस्वती से आशीर्वाद प्राप्त कर ऋतुराज बसंत का स्वागत किया जाता है । बसंत के सौंदर्य और सुगंध से अलंकृत गीत, संगीत, नृत्य, काव्य आदि की सुंदर प्रस्तुति छात्राओं द्वारा दी जाती है

इस तरह के समारोह युवा पीढ़ी को अपनी संस्कृति से जुड़े रहने की प्रेरणा और संदेश देते हैं।

अमर उजाला | अलीगढ़ | amarujala.com

वसंत के आगमन से खिल उठा है हर मन ....

धार्मिक उल्लास के साथ मनाया जाएगा मां सरस्वती का अवतरण दिवस, होंगे अनुबुझे विवाह, रखी जाएगी होलिका

संवाद न्यूज एजेंसी

अलीगढ़। पेड़-पौधे नये पत्ते धारण करने लगे हैं। फूल खिलने लगे हैं और खेतों में पीले सरसों के फूल लहराने लगे हैं। प्रकृति के श्रृंगार के साथ ही वसंत की बयार बहने लगी है। जाती हुई सर्दियां, बड़े होते दिन के साथ गुनगुनाती धूप अब तेज होने लगी है। वसंत का उल्लास जन-मन के साथ ही मौसम भी बिखरने लगा है।

वसंत पंचमी बुधवार (आज) को धार्मिक उल्लास के साथ मनाई जाएगी। इसी के साथ वसंत ऋतु का शुभारंभ हो जाएगा। ज्ञान की देवी मां सरस्वती के पूजन का वसंत पंचमी पर विशेष महत्व है। स्कूल व कॉलेजों में मां सरस्वती का अवतरण दिवस मनाया जाएगा। इसी दिन विद्यारंभ करने वाले शिशुओं को पहला अक्षर लिखना सिखाया जाता है। वसंत पंचमी के दिन गंगा स्नान का भी विशेष महत्व माना गया है। यह तिथि अनुबुझे विवाह के लिए भी प्रसिद्ध है।

इस दिन कोई भी शुभ मंगल कार्य करने के लिए पंचांग शुद्धि की आवश्यकता नहीं होती है। इसी दिन होलिका रखने का भी शुभ मुहूर्त माना जाता है। ज्योतिषाचार्य पंडित हृदय रंजन शर्मा ने कहा कि माघ माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी मां सरस्वती के पूजन का सबसे उत्तम दिन है।

टीआर कन्या महाविद्यालय में वसंतोत्सव मनाया

अलीगढ़। वसंत पंचमी पर श्री टीकाराम कन्या महाविद्यालय के हिंदी विभाग व संगीत विभाग के संयुक्त तत्वावधान में वसंतोत्सव मनाया गया। शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर प्राचार्या प्रो. शर्मिला शर्मा ने किया। छात्राओं ने काव्य व गीत प्रस्तुत किया। संगीत विभाग की प्रभारी डॉ. ब्रजरानी श्रीवास्तव ने छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। हिंदी विभाग की प्रभारी प्रो. मिश्कात आबिदी ने काव्य प्रस्तुत किया। संचालन हिंदी विभाग की प्राध्यापिका डॉ. कल्पना कौशिक ने किया। कार्यक्रम के आयोजन में संगीत विभाग की प्रो. प्रभा वार्ष्णेय, प्रो. स्मृति कौशिक, प्रो. सीमा अग्रवाल, डॉ. अंजू सिंह पटेल, जगवती डॉ. सुचेता व प्रेरणा की भूमिका रही। ब्यूरो

कन्या महाविद्यालय में सरस्वती पूजा के बाद छात्राएं व शिक्षिकाएं। स्रोत: कॉलेज

3. <u>संस्कृत दिवस समारोह-</u>

समर्थकों के साथ यात्रा में शामिल हुए।

सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। मौजूद थे।

संस्कृत से जागृत होगी देशभक्ति की भावना: प्रो. पाठक

जासं, अलीगढ़: संस्कृत भारत की आधारशिला है। समस्त देश अपनी मातृ-भाषा को अंगीकार किए हुए। संस्कृत को बढ़ावा देकर हम बच्चों में देशभक्ति की भावना जागृत कर सकते हैं। ये विचार नई दिल्ली के लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर मुरली मनोहर पाठक ने व्यक्त किए। वह मंगलवार को बतौर मुख्य अतिथि श्री टीकाराम कन्या महाविद्यालय में संस्थापक दिवस के अंतर्गत संस्कृत दिवस व व्याख्यान माला कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्य अतिथि ने छात्राओं को संस्कारवान बनने व राष्ट्र निर्माण में अपनी सशक्त भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रोत्साहित किया। विशिष्ठ अतिथि महर्षि वाल्मीकि संस्कृत विश्वविद्यालय कैथल, हरियाणा के कुलपति संस्थापक प्रोफेसर डा. एमके मिश्रा ने कहा कि संस्कृत जीवन का मूल आधार है और इसके बिना जीवन अधूरा है। प्राचार्य प्रोफेसर शर्मिला शर्मा ने महाविद्यालय के संस्थापक श्री टीकाराम के बालिका शिक्षा के लिए योगदान पर प्रकाश डाला। सचिव हरि प्रकाश गुप्ता ने अतिथियों को स्वरचित पुस्तक भेंट की। प्रो. सुमन रघुवंशी, प्रो. हिमांशु समेत समस्त शिक्षिकाएं, एएमयू व अन्य महाविद्यालयों के शिक्षक व छात्राएं उपस्थित रहे।

श्रीटीकाराम कन्या महाविद्यालय में प्रस्तुति देती छात्रा, मंचासीन प्राचार्य प्रो. शर्मिला शर्मा (दाएं से द्वितीय) व अन्य अतिथि ● सौ. आयोजक

संस्कृत प्रतियोगिता का आयोजन

बीए की छात्राओं के लिए संस्कृत प्रतियोगिता में निशा को प्रथम स्थान, निधि जादौन व दिव्या को द्वितीय, महक व प्रगति रानी को तृतीय, लवली यादव को प्रोत्साहन पुरस्कार मिला। टीकाराम कन्या इंटर कालेज की कक्षा 12 की छात्राओं ने संस्कृत गीत का गायन एवं भावपूर्ण प्रदर्शन कर सभी को मंत्र मुक्त कर दिया। प्रतियोगिता में रिचा प्रथम, प्रिया कुमारी द्वितीय, दिव्यांशी शर्मा व राशि सैनी तृतीय रहीं। रघुवीर बाल मंदिर, विजडम पब्लिक स्कूल,अवर लेडी ऑफ फातिमा एवं ब्रिलिएंट पब्लिक स्कूल की छात्राओं ने भागवत गीता के श्लोकों का सस्वर उच्चारण किया। इसमें रघुवीर बाल मंदिर की लक्षिता नागर ने प्रथम एवं भूमि वार्ष्णेय ने तृतीय, अवर लेडी आफ फातिमा सेकेंडरी स्कूल की तृषा ठाकुर ने द्वितीय व श्रेया यादव ने तृतीय, ब्रिलिएंट पब्लिक स्कूल की गौरी वशिष्ठ तृतीय व पिहू धनगर को प्रोत्साहन पुरस्कार मिला।

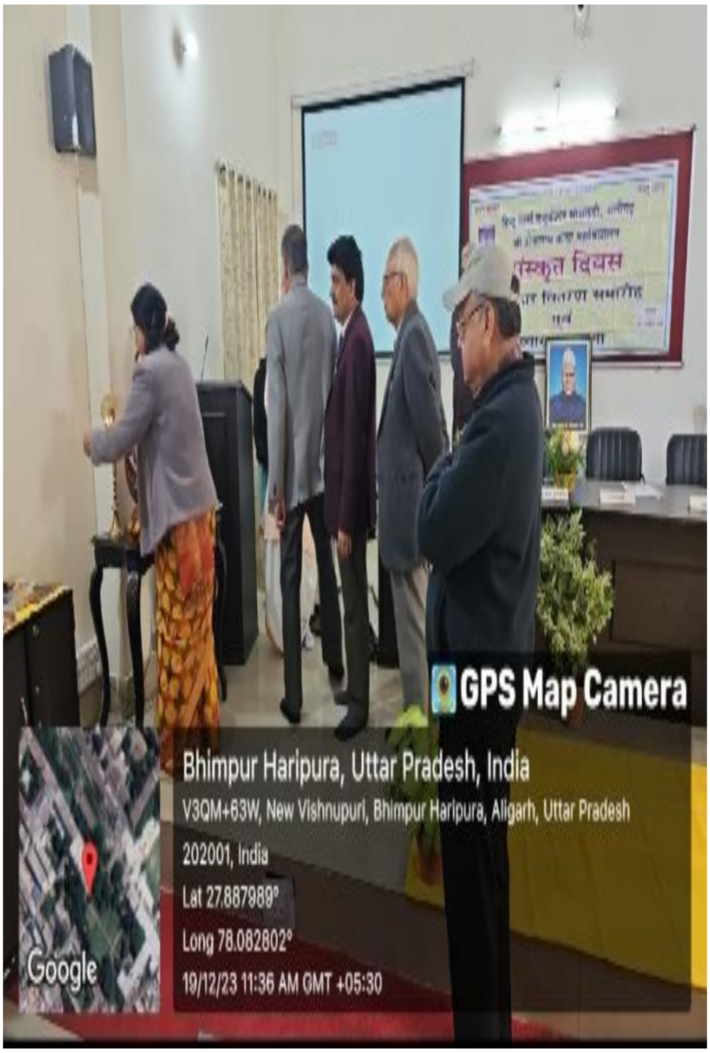

पुरातन संस्कृति एवं भाषा से जोड़ने के उद्देश्य से महाविद्यालय के अंतर्गत प्रत्येक वर्ष संस्कृत दिवस समारोह का आयोजन किया जाता है।

इस समारोह में अंतर्महाविद्यालय स्तर पर श्लोक पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है।

संस्कृत दिवस के अवसर पर विद्वान एवं मनीषिगण का व्याख्यान कराया जाता है, जिससे छात्राओं की भारतीय संस्कृति से संबंधित ज्ञान वृद्धि होती है ।